मिलाजुला

कोटक लाईफ ने हैल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी 'कोटक हैल्थ शील्ड' के लिए नागपुर में आउटडोर विज्ञापन अभियान शुरु किया

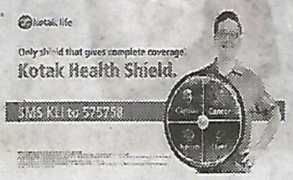

नागपुर। कोटक महिन्द्रा लाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (कोटक लाईफ) ने संतरों के लिए प्रसिद्ध नागपुर में आउटडोर विज्ञापन अभियान शुरु करने की घोषणा की है।

कंपनी अपने कॉम्प्रिहेंसिव हैल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट - कोटक हैल्थ शील्ड के बारे में लोगों को जागरुक करेगी। यह प्रचार अभियान अन्य शहरों में भी चलाया जा रहा है जिनमें हैदराबाद, जयपुर, कोयम्बटूर, लखनऊ, वड़ोदरा, पटना, गुवाहाटी, हुबली, विजयवाड़ा, भुवनेश्वर, कोची, त्रिषुर और चंडीगढ़ शामिल हैं।

कोटक महिन्द्रा लाईफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में मार्केटिंग, इंस्टीट्यूशनल बिज़नेस एंड अलायंसिस के प्रमुख शुभाशिष घोष ने कहा, ''क्रोनिक बीमारियों में निरंतर बढ़ोतरी के चलते हैल्थकेयर और हैल्थ इंश्योरेंस लोगों के लिए प्राथमिक बन गए हैं। कोटक लाईफ के पहले फ्लैगशिप हैल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट 'कोटक हैल्थ शील्ड' के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए हमने अपने आउटडोर विज्ञापन अभियान का दूसरा चरण शुरु किया है। हर शहर में आउटडोर विज्ञापन अभियान के लिए सावधानीपूर्वक जगहें चुनी गई हैं, इस चयन हेतु अधिक दृष्यता, लोकेशन और उपलब्धता को ध्यान में रखा गया है। इस तरह हमारा संदेष बड़े पैमाने पर लोगों तक पहुंचेगा कि यदि आपने हैल्थ इंश्योरेंस को शामिल नहीं किया तो कोई भी वित्तीय योजना अधूरी है।'' कोटक हैल्थ शील्ड फिक्स्ड बेनिफिट, कॉम्प्रिहेंसिव हैल्थ इंश्योरेंस प्लान प्रस्तुत करता है जिसमें शुरुआती या बड़ी अवस्था की बीमारियां शामिल हैं जैसे कैंसर, हृदय रोग, लिवर व मस्तिष्क संबंधी रोग। ये सभी एक ही प्रोडक्ट में कवर किए गए हैं।

कोरूगेटेड बॉक्स के उत्पादन खर्च में 70% की वृद्धि

नागपुर। पिछले कुछ महीनों में उत्पादन खर्च में तीव्र वृद्धि होने से और दूसरी ओर कच्ची सामग्री की आपूर्ति अस्तव्यस्त हो जाने से भारत का कोरूगेटेड बॉक्स उद्योग संकट में पड़ गया है। उसकी मुख्य कच्ची सामग्री क्राफ्ट पेपर है। मात्र पेपर की भाव वृद्धि के कारण कोरूगेटेड बॉक्स उद्योग का उत्पादन खर्च 70% बढ़ गया है।

क्राफ्ट पेपर मिलें सप्लाई साइड में आयातित और स्थानीय वेस्ट पेपर के बढ़ते भाव, कोरोना लॉकडाउन और अंतरराज्य लॉजिस्टिक अवरोधों के कारण उपलब्धता घटने का कारण बताती है जब कि मांग की और देखेंतो मिलें चीन कोरीसाइकल्ड क्राफ्टपेपर पल्प रोल्स के रूप में क्राफ्ट पेपर निर्यात करने के सुनहरे अवसर का लाभ उठा रही हैं। 1 जनवरी 2021 से वेस्ट पेपर सहित सभी सॉलिड वेस्ट के आयात प्रतिबंध के परिणाम का चीन की मिलें सामना कर रही हैं। इंडियन कोरूगेटेड के समैन्युफेक्चरर्स एसो. (इकमा) के प्रमुख, संदीप वाधवा ने कहा कि मांग से और चीन में आकर्षक भाव मिलने से भारतीय क्राफ्ट पेपर का उत्पादन स्थानीय बाजार के स्थान पर अन्य स्थानांतरित हो रहा है. इससे फिनिश्ड पेपर और रीसाइकल्ड फाइबर का भाव ऊंचा जा रहा है। भारतीय क्राफ्ट पेपर मिलों द्वारा रीसायकल्ड क्राफ्ट पेपर पल्परोल्स का निर्यात इस वर्ष 20 लाख टन से अधिक होगा, जो भारत के कुल स्थानीय क्राफ्ट पेपर उत्पादन का 20% होता है। 2018 से पहले शून्य निर्यात था और इस आधार पर यह सप्लाई साइड डायना मिक्स गेम चेंजर बन गया है।

बाजार में भ्रमण कर म...

■ स्वेच्छा से बंद रखने के लिए नागरिकों को दिया धन्यवाद

नागपुर। पिछले कुछ दिनों में कोरोना के मरीजों की संख्या में वृद्धि की पृष्ठभूमि को देखते हुए मनपा प्रशासन ने शनिवार और रविवार को आवश्यक सेवाओं को छोड़कर नागपुर शहर में सभी बाजारों और दुकानों को बंद रखने का आदेश दिया था। इस आदेश के बाद, नागपुर के व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिए। नागरिकों ने भी घर पर रहना पसंद किया। महापौर दयाशंकर तिवारी ने इस दौरान विविध बाजारों का भ्रमण करते हुए नागरिकों के बीच कोरोना नियमों के बारे में जागरूकता भी बढ़ाई। उन्होंने स्वेच्छा से बंद रखने के लिए नागरिकों का धन्यवाद किया।

शनिवार और रविवार को

बाजार बंद रखे जाने के आदेश पारित होने के बाद पहले दि शनिवार को बाजारों की स्थिति क

14 घंटे टीकाकरण का

■ नए टीकाकरण केंद्र के उद्घाटन अवसर पर महापौर का आह्वान

नागपुर। महापौर दयाशंकर तिवारी ने नागपुर में सतरंजीपुरा जोन के अंतर्गत मेहंदीबाग और लकड़गंज जोन के अंतर्गत बाबुलबन में नए टीकाकरण केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने नागरिकों से चर्चा करते हुए कहा कि अब यह केंद्र 14 घंटे टीकाकरण के लिए उपलब्ध हैं। अतः वरिष्ठ नागरिक इसका लाभ उठाएं।

महापौर ने कहा कि नागपुर में टीकाकरण के दूसरे चरण की शुरुआत के बाद, वरिष्ठ नागरिकों ने टीकाकरण केंद्र में जाना शुरू कर

की व्यवस्था की गई थी। इसके अलावा, सरकार के आदेश के अनुसार, टीकाकरण केंद्रों पर दो शिफ्टों में टीकाकरण शुरू किया गया है। टीकाकरण लगभग 14 घं सुबह 8 से 3 बजे और दोपहर 3 से 10 बजे तक किया जाएगा।

इसके लिए उन्होंने गांधीनग

मार्ग-दर्शन

सात्वीकता से बढ़कर कोई धर्म नहीं है